



ॐ

गुणानां त्वा गुणपतिः हवामहे कुविं कंकीनामुपमश्रवस्तमम् ।  
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पतु आ नः शृवन्नुन्तिभिस्तीदुसादनम् ॥

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुर्गुरुर्देवो महेश्वरः ।  
गुरुस्साक्षात् परब्रह्मा तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाङ्गन शलाकया ।  
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अखण्ड मण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरम् ।  
तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥



## सङ्गीत पुस्तकम्

गुरु : श्री श्रीधर नरसिंहन्

## अनुक्रमणिका

सरल वरसे	१
दीर्घ वरसे	३
दाढ़ वरसे	५
मन्दर स्थायि वरसे	७
तार स्थायि वरसे	९
झण्ट वरसे	११
स्वर राग ताल शास्त्र	१५
अलङ्काराः	१६
पिळारि गीतानि	२०
श्री गणनाथ	२०
कुन्द गौर	२१
करेय नीरनु	२२
पद्मनाभ	२३
सञ्चारि गीतानि	२४
वरवीणा	२४
जय जय जय	२५
मन्दर धारे	२६
कमलजा दल	२७
कमल सुलोचन	२८
स्वर जतयः	२९
बिलहरि	२९
खमास्	३१
कृतयः	३२
ओङ्कार रूपिणि	३२

## सरल वरसे

रागम्: मायामाळवगौळ

तालम्: आदि

१.

॥ स रि ग म । प द । नि स \* ॥  
॥ स \* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥	स	रि	ग	म	।	स	रि	।	ग	म	॥
॥	स	रि	ग	म	।	प	द	।	नि	* स	॥
॥	* स	नि	द	प	।	* स	नि	।	द	प	॥
॥	* स	नि	द	प	।	म	ग	।	रि	स	॥

३.

॥	स	रि	स	रि	।	स	रि	।	ग	म	॥
॥	स	रि	ग	म	।	प	द	।	नि	* स	॥
॥	* स	नि	* स	नि	।	* स	नि	।	द	प	॥
॥	* स	नि	द	प	।	म	ग	।	रि	स	॥

४.

॥	स	रि	ग	म		प	म		ग	रि	॥
॥	स	रि	ग	म		प	द्		नि	* स	॥
॥	* स	नि	द	प		म	प		द्	नि	॥
॥	* स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

५.

॥	स	रि	ग	म		प	म		द्	प	॥
॥	स	रि	ग	म		प	द्		नि	* स	॥
॥	* स	नि	द	प		म	प		ग	म	॥
॥	* स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

६.

॥	स	रि	ग	स		रि	ग		स	रि	॥
॥	स	रि	ग	म		प	द्		नि	* स	॥
॥	* स	नि	द	* स		नि	द्		* स	नि	॥
॥	* स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

## दीर्घ वरसे

रागम्: मायामाळवगौळ

तालम्: आदि

१.

॥	स	रि	ग	म		प	,		प	,	॥
॥	स	रि	ग	म		प	द		नि	* स	॥
॥	* स	नि	द	प		म	,		म	,	॥
॥	* स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

२.

॥	स	रि	ग	म		प	,		स	,	॥
॥	स	रि	ग	म		प	द		नि	* स	॥
॥	* स	नि	द	प		म	,		* स	,	॥
॥	* स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

३.

॥	स	रि	ग	म		प	,		स	रि	॥
॥	स	रि	ग	म		प	द		नि	* स	॥
॥	* स	नि	द	प		म	,		* स	नि	॥
॥	* स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

४.

॥ स रि ग म | प , | द नि ॥  
॥ स रि ग म | प द | नि \*स ॥  
॥ \*स नि द प | म , | ग रि ॥  
॥ \*स नि द प | म ग | रि स ॥

## दाढु वरसे

रागम्: मायामाळवगौळ

तालम्: आदि

१.

॥	स	ग	रि	म		ग	प		म	द	॥
॥	स	रि	ग	म		प	द		नि	*स	॥
॥	*स	द	नि	प		द	म		प	ग	॥
॥	*स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

२.

॥	स	म	रि	प		ग	द		म	नि	॥
॥	स	रि	ग	म		प	द		नि	*स	॥
॥	*स	प	नि	म		द	ग		प	रि	॥
॥	*स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

३.

॥	स	प	रि	द		ग	नि		म	स	॥
॥	स	रि	ग	म		प	द		नि	*स	॥
॥	*स	म	नि	ग		द	रि		प	स	॥
॥	*स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

४.

॥	स	ग	प	नि		रि	म		द	<sup>*</sup> स	॥
॥	स	रि	ग	म		प	द्		नि	<sup>*</sup> स	॥
॥	<sup>*</sup> स	द्	म	रि		नि	प		ग	स	॥
॥	<sup>*</sup> स	नि	द्	प		म	ग		रि	स	॥

## मन्दर स्थायि वरसे

रागम्: मायामाळवगौल

तालम्: आदि

१.

॥	स	नि	द	प	।	म	ग	।	रि	स	॥
॥	स	,	स	,	।	स	,	।	स	,	॥
॥	स	<sup>*</sup> नि	स	रि	।	स	रि	।	ग	म	॥
॥	स	रि	ग	म	।	प	द	।	नि	<sup>*</sup> स	॥

२.

॥	स	नि	द	प	।	म	ग	।	रि	स	॥
॥	स	,	स	,	।	स	,	।	स	,	॥
॥	स	<sup>*</sup> नि	<sup>*</sup> द	<sup>*</sup> नि	।	स	रि	।	ग	म	॥
॥	प	म	ग	रि	।	स	र	।	स	<sup>*</sup> नि	॥
॥	स	<sup>*</sup> नि	स	रि	।	स	रि	।	ग	म	॥
॥	स	रि	ग	म	।	प	द	।	नि	<sup>*</sup> स	॥

३.

॥	स	नि	द	प	।	म	ग	।	रि	स	॥
॥	स	,	स	,	।	स	,	।	स	,	॥
॥	स	<sup>*</sup> नि	<sup>*</sup> द	<sup>*</sup> प	।	<sup>*</sup> द	<sup>*</sup> नि	।	स	रि	॥
॥	ग	म	प	म	।	ग	रि	।	स	<sup>*</sup> नि	॥

॥	स	नि <sup>*</sup>	द <sup>*</sup>	नि <sup>*</sup>	।	स	रि	।	ग	म	॥
॥	प	म	ग	रि	।	स	र	।	स	नि <sup>*</sup>	॥
॥	स	नि <sup>*</sup>	स	रि	।	स	रि	।	ग	म	॥
॥	स	रि	ग	म	।	प	द	।	नि	स <sup>*</sup>	॥

## तार स्थायि वरसे

रागम्: मायामाळवगौल

तालम्: आदि

१.

॥	स	रि	ग	म		प	द		नि	*स	॥
॥	*स	,	*स	,		*स	,		*स	,	॥
॥	द	नि	*स	*रि		*स	नि		द	प	॥
॥	*स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

२.

॥	स	रि	ग	म		प	द		नि	*स	॥
॥	*स	,	*स	,		*स	,		*स	,	॥
॥	द	नि	*स	*रि		*स	*स		*रि	*स	॥
॥	*स	*रि	*स	नि		द	प		म	प	॥
॥	द	नि	*स	*रि		*स	नि		द	प	॥
॥	*स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

३.

॥	स	रि	ग	म		प	द		नि	*स	॥
॥	*स	,	*स	,		*स	,		*स	,	॥
॥	द	नि	*स	*रि		*ग	*रि		*स	*रि	॥
॥	*स	*रि	*स	नि		द	प		म	प	॥

॥	द	नि	* स	* रि		* स	* स		* रि	* स	॥
॥	* स	* रि	* स	नि		द	प		म	प	॥
॥	द	नि	* स	* रि		* स	नि		द	प	॥
॥	* स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

४.

॥	स	रि	ग	म		प	द		नि	* स	॥
॥	* स	,	* स	,		* स	,		* स	,	॥
॥	द	नि	* स	* रि		* ग	* म		* ग	* रि	॥
॥	* स	* रि	* स	नि		द	प		म	प	॥
॥	द	नि	* स	* रि		* ग	* रि		* स	* रि	॥
॥	* स	* रि	* स	नि		द	प		म	प	॥
॥	द	नि	* स	* रि		* स	* स		* रि	* स	॥
॥	* स	* रि	* स	नि		द	प		म	प	॥
॥	द	नि	* स	* रि		* स	नि		द	प	॥
॥	* स	नि	द	प		म	ग		रि	स	॥

## झाण्ट वरसे

रागम्: मायामाळवगौळ

तालम्: आदि

१.

॥	स स	रि रि	ग ग	म म		प प	द द		नि नि	* स * स * स	॥
॥	* स *	नि नि	द द	प प		म म	ग ग		रि रि	स स	॥

२.

॥	स स	रि रि	ग ग	म म		रि रि	ग ग		म म	प प	॥
॥	ग ग	म म	प प	द द		म म	प प		द द	नि नि	॥
॥	प प	द द	नि नि	* स * स * स		* स * स * स	नि नि		द द	प प	॥
॥	नि नि	द द	प प	म म		द द	प प		म म	ग ग	॥
॥	प प	म म	ग ग	रि रि		म म	ग ग		रि रि	स स	॥

३.

॥	स स	रि रि	ग ग	रि रि		स स	रि रि		ग ग	म म	॥
॥	रि रि	ग ग	म म	ग ग		रि रि	ग ग		म म	प प	॥
॥	ग ग	म म	प प	म म		ग ग	म म		प प	द द	॥
॥	म म	प प	द द	प प		म म	प प		द द	नि नि	॥
॥	प प	द द	नि नि	द द		प प	द द		नि नि	* स * स * स	॥
॥	* स * स * स	नि नि	द द	नि नि		* स * स * स	नि नि		द द	प प	॥
॥	नि नि	द द	प प	द द		नि नि	द द		प प	म म	॥
॥	द द	प प	म म	प प		द द	प प		म म	ग ग	॥
॥	प प	म म	ग ग	म म		प प	म म		ग ग	रि रि	॥
॥	म म	ग ग	रि रि	ग ग		म म	ग ग		रि रि	स स	॥

४.

॥	स स	म म	ग ग	रि रि		स स	रि रि		ग ग	म म	॥
॥	रि रि	प प	म म	ग ग		रि रि	ग ग		म म	प प	॥
॥	ग ग	द द	प प	म म		ग ग	म म		प प	द द	॥
॥	म म	नि नि	द द	प प		म म	प प		द द	नि नि	॥
॥	प प	* स	नि नि	द द		प प	द द		नि नि	* स	॥
॥	* स	प प	द द	नि नि		* स	नि नि		द द	प प	॥
॥	नि नि	म म	प प	द द		नि नि	द द		प प	म म	॥
॥	द द	ग ग	म म	प प		द द	प प		म म	ग ग	॥
॥	प प	रि रि	ग ग	म म		प प	म म		ग ग	रि रि	॥
॥	म म	स स	रि रि	ग ग		म म	ग ग		रि रि	स स	॥

५.

॥	स स	ग ग	रि रि	म म		स स	रि रि		ग ग	म म	॥
॥	रि रि	म म	ग ग	प प		रि रि	ग ग		म म	प प	॥
॥	ग ग	प प	म म	द द		ग ग	म म		प प	द द	॥
॥	म म	द द	प प	नि नि		म म	प प		द द	नि नि	॥
॥	प प	नि नि	द द	* स		प प	द द		नि नि	* स	॥
॥	* स	द द	नि नि	प प		* स	नि नि		द द	प प	॥
॥	नि नि	प प	द द	म म		नि नि	द द		प प	म म	॥
॥	द द	म म	प प	ग ग		द द	प प		म म	ग ग	॥
॥	प प	ग ग	म म	रि रि		प प	म म		ग ग	रि रि	॥
॥	म म	रि रि	ग ग	स स		म म	ग ग		रि रि	स स	॥

६.

॥	स स	रि स	स रि	स रि		स स	रि रि		ग ग	म म	॥
॥	रि रि	ग रि	रि ग	रि ग		रि रि	ग ग		म म	प प	॥
॥	ग ग	म ग	ग म	ग म		ग ग	म म		प प	द द	॥
॥	म म	प म	म प	म प		म म	प प		द द	नि नि	॥
॥	प प	द प	प द	प द		प प	द द		नि नि	* स *	॥
॥	* स *	नि * स	* स नि	* स नि		* स *	नि नि		द द	प प	॥
॥	नि नि	द नि	नि द	नि द		नि नि	द द		प प	म म	॥
॥	द द	प द	द प	द प		द द	प प		म म	ग ग	॥
॥	प प	म प	प म	प म		प प	म म		ग ग	रि रि	॥
॥	म म	ग म	म ग	म ग		म म	ग ग		रि रि	स स	॥

७.

॥	स स	रि रि	ग स	रि ग		स स	रि रि		ग ग	म म	॥
॥	रि रि	ग ग	म रि	ग म		रि रि	ग ग		म म	प प	॥
॥	ग ग	म म	प ग	म प		ग ग	म म		प प	द द	॥
॥	म म	प प	द म	प द		म म	प प		द द	नि नि	॥
॥	प प	द द	नि प	द नि		प प	द द		नि नि	* स *	॥
॥	* स *	नि नि	द * स	नि द		* स *	नि नि		द द	प प	॥
॥	नि नि	द द	प नि	द प		नि नि	द द		प प	म म	॥
॥	द द	प प	म द	प म		द द	प प		म म	ग ग	॥
॥	प प	म म	ग प	म ग		प प	म म		ग ग	रि रि	॥
॥	म म	ग ग	रि म	ग रि		म म	ग ग		रि रि	स स	॥

८.

॥	स स स	रि रि रि	ग म		स स	रि रि		ग ग	म म	॥
॥	रि रि रि	ग ग ग	म प		रि रि	ग ग		म म	प प	॥
॥	ग ग ग	म म म	प द		ग ग	म म		प प	द द	॥
॥	म म म	प प प	द नि		म म	प प		द द	नि नि	॥
॥	प प प	द द द	नि स*		प प	द द		नि नि	स* स*	॥
॥	स* स* स*	नि नि नि	द प		स* स*	नि नि		द द	प प	॥
॥	नि नि नि	द द द	प म		नि नि	द द		प प	म म	॥
॥	द द द	प प प	म ग		द द	प प		म म	ग ग	॥
॥	प प प	म म म	ग रि		प प	म म		ग ग	रि रि	॥
॥	म म म	ग ग ग	रि स		म म	ग ग		रि रि	स स	॥

## स्वर राग ताल शास्त्र

स्वराः

- षड् - प्रकृति
- रिषभ - शुद्ध (रि॑)                    चतुःश्रुति (रि॒)                    षड्श्रुति (रि॑)
- गान्धार - शुद्ध (ग॑)                    साधारण (ग॒)                    अन्तर (ग॑)
- मध्यम - शुद्ध (म॑)                    प्रति (म॒)
- पञ्चम - प्रकृति
- धैवत - शुद्ध (द॑)                    चतुःश्रुति (द॒)                    षड्श्रुति (द॑)
- निषाद - शुद्ध (नि॑)                    कैशिकी (नि॒)                    काकली (नि॑)

## अलङ्कारः

### १. चतुरश्च जाति ध्रुव ताल ( १०१ )

॥ स रि ग म । ग रि । स रि ग रि । स रि ग म ॥  
 ॥ रि ग म प । म ग । रि ग म ग । रि ग म प ॥  
 ॥ ग म प द । प म । ग म प म । ग म प द ॥  
 ॥ म प द नि । द प । म प द प । म प द नि ॥  
 ॥ प द नि \*स । नि द । प द नि द । प द नि \*स ॥  
 ॥ \*स नि द प । द नि । \*स नि द नि । \*स नि द प ॥  
 ॥ नि द प म । प द । नि द प द । नि द प म ॥  
 ॥ द प म ग । म प । द प म प । द प म ग ॥  
 ॥ प म ग रि । ग म । प म ग म । प म ग रि ॥  
 ॥ म ग रि स । रि ग । म ग रि ग । म ग रि स ॥

### २. चतुरश्च जाति मध्य ताल ( १०१ )

॥ स रि ग रि । स रि । स रि ग म ॥  
 ॥ रि ग म ग । रि ग । रि ग म प ॥  
 ॥ ग म प म । ग म । ग म प द ॥  
 ॥ म प द प । म प । म प द नि ॥  
 ॥ प द नि द । प द । प द नि \*स ॥  
 ॥ \*स नि द नि । \*स नि । \*स नि द प ॥  
 ॥ नि द प द । नि द । नि द प म ॥  
 ॥ द प म प । द प । द प म ग ॥  
 ॥ प म ग म । प म । प म ग रि ॥  
 ॥ म ग रि ग । म ग । म ग रि स ॥

३. चतुरश्र जाति रूपक ताल (०।)

॥	स	रि		स	रि	ग	म	॥
॥	रि	ग		रि	ग	म	प	॥
॥	ग	म		ग	म	प	द	॥
॥	म	प		म	प	द	नि	॥
॥	प	द		प	द	नि	*स	॥
॥	*स	नि		*स	नि	द	प	॥
॥	नि	द		नि	द	प	म	॥
॥	द	प		द	प	म	ग	॥
॥	प	म		प	म	ग	रि	॥
॥	म	ग		म	ग	रि	स	॥

४. मिश्र जाति इम्प ताल (। ० ।)

॥	स	रि	ग	स	रि	स	रि		ग		म	,	॥
॥	रि	ग	म	रि	ग	रि	ग		म		प	,	॥
॥	ग	म	प	ग	म	ग	म		प		द	,	॥
॥	म	प	द	म	प	म	प		द		नि	,	॥
॥	प	द	नि	प	द	प	द		नि		*स	,	॥
॥	*स	नि	द	*स	नि	*स	नि		द		प	,	॥
॥	नि	द	प	नि	द	नि	द		प		म	,	॥
॥	द	प	म	द	प	द	प		म		ग	,	॥
॥	प	म	ग	प	म	प	म		ग		रि	,	॥
॥	म	ग	रि	म	ग	म	ग		रि		स	,	॥

५. तिश्र जाति त्रिपुट ताल ( १०० )

॥	स	रि	ग		स	रि	ग	म	॥
॥	रि	ग	म		रि	ग	म	प	॥
॥	ग	म	प		ग	म	प	द	॥
॥	म	प	द		म	प	द	नि	॥
॥	प	द	नि		प	द	नि	* स	॥
॥	* स	नि	द		* स	नि	द	प	॥
॥	नि	द	प		नि	द	प	म	॥
॥	द	प	म		द	प	म	ग	॥
॥	प	म	ग		प	म	ग	रि	॥
॥	म	ग	रि		म	ग	रि	स	॥

६. खण्ड जाति अट्ट ताल ( ११०० )

॥	स	रि	,	ग	,		स	,	रि	ग	,		म	,		म	,	॥
॥	रि	ग	,	म	,		रि	,	ग	म	,		प	,		प	,	॥
॥	ग	म	,	प	,		ग	,	म	प	,		द	,		द	,	॥
॥	म	प	,	द	,		म	,	प	द	,		नि	,		नि	,	॥
॥	प	द	,	नि	,		प	,	द	नि	,		* स	,		* स	,	॥
॥	* स	नि	,	द	,		* स	,	नि	द	,		प	,		प	,	॥
॥	नि	द	,	प	,		नि	,	द	प	,		म	,		म	,	॥
॥	द	प	,	म	,		द	,	प	म	,		ग	,		ग	,	॥
॥	प	म	,	ग	,		प	,	म	ग	,		रि	,		रि	,	॥
॥	म	ग	,	रि	,		म	,	ग	रि	,		स	,		स	,	॥

५. चतुरश्र जाति एक ताल ( । )

॥	स	रि	ग	म	॥	रि	ग	म	प	॥
॥	ग	म	प	द	॥	म	प	द	नि	॥
॥	प	द	नि	*स	॥	*स	नि	द	प	॥
॥	नि	द	प	म	॥	द	प	म	ग	॥
॥	प	म	ग	रि	॥	म	ग	रि	स	॥

## पिल्लारि गीतानि

श्री गणनाथ

रागम् : मलहरि

आरोहणम् : स रि॑ म॒ प द॒ स॑ \*

अवरोहणम् : स॑ द॒ प म॒ ग॑ रि॑ स

तालम् : रूपक

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥ पल्लवी ॥

॥ म प द स॑ स॑ \* रि॑ ॥ रि॑ \* स॑ द प म प ॥

श्री	ग	ण	ना	थ	सिन्	धू	र	व	र्ण
सिद्	ध	चा	र	ण	ग	ण	से	वि	त
स	क	ल	वि	द्या	आ	दि॒	पू	जि॒	त

॥ रि॑ म प द म प ॥ द प म ग रि॑ स ॥

क	रु	ण	सा	ग	रा	क	रि॑	व	द॒	ना
सिद्	धि॒	वि॒	ना	य	का	ते		न	मो॒	न
सर्	बो॒		त्त	म		ते		न	मो॒	न

॥ स रि॑ म , ग रि॑ ॥ स रि॑ ग रि॑ स , ॥

लम्	बो॒	द	र	ल	कु॒	मि॒	क	र
-----	-----	---	---	---	-----	-----	---	---

॥ रि॑ म प द म प ॥ द प म ग रि॑ स ॥

अम्	बा॒	सु॒	त	अ॒	म	र	वि॒	नु॒	त
-----	-----	-----	---	----	---	---	-----	-----	---

## कुन्द गौर

रागम् : मलहरि

आरोहणम् : स रि<sup>१</sup> म<sup>२</sup> प द<sup>१</sup> स<sup>\*</sup>

अवरोहणम् : स<sup>\*</sup> द<sup>१</sup> प म<sup>२</sup> ग<sup>३</sup> रि<sup>१</sup> स

तालम् : रूपक

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥ द प म ग रि स ॥	रि म प द म प ॥
कुन् द गौ र गौ रि व र	
चन् द मा म मन् दा कि नि	
हि म कू ट सिम् हा स न	
॥ द रि रि स* द प ॥	द प म ग रि स ॥
मन् दि रा य मा न म कु ट	
मन् दि रा य मा न म कु ट	
वि रु पा क्ष क रु णा क र	
॥ स , रि , रि , ॥	द प म ग रि स ॥
मन् धा रा कु सु मा क र	
॥ स रि प म ग रि ॥	स रि ग रि स , ॥
म क रन् दं व सि तु रे	

केरेय नीरतु

रागम् : मलहरि

आरोहणम् : स रि॑ म॒ प द॑ स॒ \*

अवरोहणम् : स॒ द॑ प म॒ ग॑ रि॑ स

तालम् : तिस्र त्रिपुट

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥	द	* स	* स		द	प		म	प	॥	द	द	प		म	म		प	,	॥
॥	के	रे	य		नी			र	नु	॥	के	रे	गे		चेल्			लि		॥
॥	श्री	पु			रन्			द	र	॥	वि	ठु	ल		रा			य	न	॥
॥	द	द	* स		द	प		म	प	॥	द	द	प		म	ग		रि	स	॥
॥	व	र	व		प	डे		द	व	॥	रन्		ते		का			णि	रो	॥
॥	च	र	ण		क	म		ल	व	॥	नम्		बि		ब	दु		कि	रो	॥
॥	स	रि	रि		स	रि		स	रि	॥	द	द	प		म	ग		रि	स	॥
॥	ह	रि	य		क	रु		ण	दो	॥	ला		द		भ			ग्य	व	॥
॥	द	प	द		* स	,		द	प	॥	द	द	प		म	ग		रि	स	॥
॥	ह	रि	स		मर्			प	णे	॥	मा		डि		ब	दु		कि	रो	॥

पदुमनाभ

रागम् : मलहरि

आरोहणम् : स रि॑ म॒ प द॑ स॒ \*

अवरोहणम् : स॒ द॑ प म॒ ग॒ रि॑ स॒

तालम् : तिस्र त्रिपुट

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥	रि	स	द <sup>*</sup>		स	,		स	,	॥	म	ग	रि		म	म		प	,	॥
॥	प	डु	म		ना			भ		॥	प	र	म		पु	रु		ष		॥
॥	वि	डु	र		वन्			च		॥	वि	म	ल		च	रि		त		॥
॥	स	द	,		द	प		म	प	॥	द	द	प		म	ग		रि	स	॥
॥	प	ख्			ज्यो			ति		॥	स्व	रु			प					॥
॥	वि	हङ्			गा			व		॥	रो	ह			ण					॥
॥	प	म	प		द	स <sup>*</sup>		द	स <sup>*</sup>	॥	रि	स	द		द	स <sup>*</sup>		द	प	॥
॥	उ	द	धि		नि	वा		स		॥	उ	र	ग		श	य		न		॥
॥	द	द	प		प	,		प	म	॥	रि	म	म		प	,		प	,	॥
॥	उ	न्न			तो			न्न	त	॥	म	हि			मा					॥
॥	द	द	प		प	,		प	म	॥	रि	रि	म		म	ग		रि	स	॥
॥	य	डु	कु		लौ			त्त	म	॥	य	ज्ञ			र			क्ष	क	॥
॥	स	,	स		द	द		द	प	॥	प	,	प		म	ग		रि	स	॥
॥	आ	आ	ज्ञ		शि			क्ष	क	॥	रा	म	।	ना		म				॥
॥	द	स <sup>*</sup>	,		द	प		म	प	॥	द	द	प		म	ग		रि	स	॥
॥	वि	भी			ष	ण		प		॥	ल	क			न	मो		न	मो	॥
॥	द	स <sup>*</sup>	,		द	प		म	प	॥	द	द	प		म	ग		रि	स	॥
॥	वि	भो			व	र		दा		॥	य	क			न	मो		न	मो	॥
॥	प	म	प		द	स <sup>*</sup>		द	स <sup>*</sup>	॥	रि	स	द		द	स <sup>*</sup>		द	प	॥
॥	शु	भ			प्र	द		सु	म	॥	नो	र			द			सु		॥
॥	द	द	प		प	,		प	म	॥	रि	म	म		प	,		प	,	॥
॥	रे	न्द्र			म			नो		॥	ख्	ज			न					॥
॥	द	द	प		प	,		प	म	॥	रि	रि	म		म	ग		रि	स	॥
॥	अ	भि			न			व	पु	॥	र्न्	द			र					॥
॥	स	,	स		द	द		द	प	॥	प	,	प		म	ग		रि	स	॥
॥	वि	ठु	ल		भल्			ल	रे	॥	रा	म	।	ना		म				॥

## सञ्चारि गीतानि

### वरवीणा

रागम्: मोहनम्

आरोहणम्: स रि॒ ग॑ प द॒ स॑ \*

अवरोहणम्: स॑ द॒ प ग॑ रि॒ स

तालम्: रूपकम्

रचयिता: श्री अप्पैय दीक्षितर

॥	ग	ग	प	,	प	,	॥	द	प	* स	,	* स	,	॥
	व	र	वी		णा			मृ	ढु	पा		णी		
॥	रि॑	* स	द॒	द॒	प	,	॥	द॒	प	ग	ग	रि॑	,	॥
	व	न	रु	ह॑	लो			च॑	न	रा		णी		
॥	ग	प	द॒	* स	द॑	,	॥	द॒	प	ग	ग	रि॑	,	॥
	सु॑	रु॑	चि॑	र	बम्			ब॑	र	वे॑		णी		
॥	ग	ग	द॒	प	ग	रि॑	॥	प॑	ग	ग	रि॑	स	,	॥
	सु॑	र॑	नु॑	त॑	कल्॑			या				णी		
॥	ग	ग	ग	ग	रि॑	ग	॥	प॑	ग	प	,	प	,	॥
	नि॑	रु॑	प	म॑	शु॑	भ		गु॑	ण	लो॑		ला॑		
॥	ग	ग	द॒	प	द॑	,	॥	द॒	प	* स	,	* स	,	॥
	नि॑	र॑	त॑	ज॑	या॑			प्र॑	द॑	शी॑		ला॑		
॥	द॑	ग॑	* रि॑	ग॑	* रि॑	* स॑	॥	* रि॑	* स॑	द॑	* स॑	द॒	प	॥
	व॑	र॑	दा॑		प्रि॑	य		र॑	झ॑	ना॑		य॑	की॑	
॥	ग	प	द॒	* स॑	द॑	प	॥	द॒	प	ग	ग	रि॑	स	॥
	वा॑		चि॑	त॑	फ॑	ल॑		दा॑				य॑	की॑	
॥	स॑	रि॑	ग	,	ग	,	॥	ग॑	रि॑	प	ग	रि॑	,	॥
	स॑	र॑	सि॑		जा॑			स॑	न	ज॑	न॑	नी॑		
॥	स॑	रि॑	स॑	ग॑	रि॑	स॑	॥							
	ज॑	य॑	ज॑	य॑	ज॑	य॑								

जय जय जय

रागम् : वेगड

आरोहणम् : स ग॒ रि॒ ग॒ म॑ प द॒ प स॑  
अवरोहणम् : स॑ नि॒ द॒ प म॑ ग॒ रि॒ स

तालम् : तिस्र त्रिपुट

रचयिता : \*

॥	म	ग	म		प	,		द	प	॥	नि॒	द	प		म	ग		म	प	॥
॥	ज	य	ज		य			ज	य	॥	वि	ज	य		वि	नु		ता		॥
॥	स॑	नि॑	स॑		द॒	प		स॑	,	॥	स॑	नि॑	स॑		रि॑	स॑		म॑	ग॑	॥
॥	वि॑	म	ल		च॑	रि॑		ता		॥	वि॑	नु	त		हि॑	त		को		॥
॥	रि॑	स॑	नि॑		स॑	रि॑		स॑	नि॑	॥	स॑	नि॑	स॑		द॑	नि॑		प॑	द॑	॥
॥	कि॑	ल			ली			ला		॥	अ									॥
॥	नि॒	द	प		म	ग		रि॑	स	॥	म	ग	म		रि॑	ग		म	प	॥
॥	अ									॥	म	धु॑	रे		मी॑			ना		॥
॥	स॑	नि॑	स॑		द॒	प		स॑	,	॥										
॥								क्षी॑		॥										

## मन्दर धारे

रागम् : काम्भोजि

आरोहणम् : स रिं ग॒ म॑ प द॒ स॑ \*

अवरोहणम् : स॑ निं द॒ प म॑ ग॒ रिं स॑ निं प॑ द॒ स॑ \*

तालम् : आदि

रचयिता : श्री पैदल गुरुमूर्ति शास्त्री

॥	स <sup>*</sup>	,	नि॑	प		द	द		स <sup>*</sup>	,	॥
॥	मन्		द	र		धा			रे		॥
॥	द	स <sup>*</sup>	रि	म <sup>*</sup>		ग <sup>*</sup>	ग <sup>*</sup>		रि	स <sup>*</sup>	॥
॥	मो		क्ष	मु		रा			रे		॥
॥	स <sup>*</sup>	रि	स <sup>*</sup>	स <sup>*</sup>		नि	नि		द	प	॥
॥	दै		त्य	सं		हा			रे		॥
॥	द	द	प	म		ग	म		प	,	॥
॥	पा		व	न		मू			तै		॥
॥	ग	प	द	स <sup>*</sup>		नि	नि		द	प	॥
॥	अ	र	वि	न्द		न	य		न		॥
॥	द	द	प	म		ग	ग		रि	स	॥
॥	व	ट	प	त्र		श	य		न		॥
॥	ग	प	प	द		द	स <sup>*</sup>		स <sup>*</sup>	रि	॥
॥	अ					अ					॥
॥	रि	* <sup>*</sup>	म <sup>*</sup>	ग <sup>*</sup>		रि	* <sup>*</sup> ग		रि	* <sup>*</sup> स	॥
॥	अ					अ					॥
॥	स <sup>*</sup>	रि	स <sup>*</sup>	स <sup>*</sup>		नि	नि		द	प	॥
॥	दै		त्य	सं		हा			रे		॥
॥	द	द	प	म		ग	म		प	,	॥
॥	पा		व	न		मू			तै		॥
	ग	प	द	स <sup>*</sup>		नि	नि		द	प	॥
॥	प	द	शु	भ		रे			ख		॥
॥	द	द	प	म		ग	ग		रि	स	॥
॥	म	कु	ट	म		यू			र		॥
॥	स <sup>*</sup>	,	नि॑	प		द	द		स <sup>*</sup>		॥
॥	मन्		द	र		धा			रे		॥

कमलजा दल

रागम् : कल्याणी

आरोहणम् : स रि॒ ग॑ म॒ प द॒ नि॑ स॑

अवरोहणम् : स॑ नि॑ द॒ प म॒ ग॑ रि॒ स

तालम् : तिश्र त्रिपुट

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥	* स	* स	* स		नि	द		नि	* स	॥	नि	द	प		द	प		म	प	॥			
॥	क	म	ल		जा			द	ल	॥	वि	म	ल		सु	न		य	न	॥			
॥	ग	म	प		प	द		द	नि	॥	द	प	म		प	ग		रि	स	॥			
॥	क	रि	व		र	द		क	रु	॥	णाम्		बु		धे					॥			
॥	द	*	नि	*	द	*		ग	रि		ग	,	॥	म	प	,	।	म	ग		रि	स	॥
॥	क	रु	ण		शा	र		दे		॥	क	म			ला					॥			
॥	रि	स	रि		स	,		स	,	॥	ग	म	प		म	प		द	प	॥			
॥	कान्				त					॥	कम्		स		न	र		का		॥			
॥	नि	द	प		द	प		म	प	॥	ग	म	प		प	द		द	नि	॥			
॥	सु	र	वि		भे			द	न	॥	व	र	द		वे			ला		॥			
॥	द	प	म		प	ग		रि	स	॥	द	*	नि	*	द	*		ग	रि		ग	,	॥
॥	पु	र	सु		रोत्			त	म	॥	क	रु	ण		शा	र		दे		॥			
॥	म	प	,		म	ग		रि	स	॥	रि	स	रि		स	,		स	,	॥			
॥	क	म			ला					॥	कान्				त					॥			

## कमल सुलोचन

रागम् : आनन्द भैरवी

आरोहणम् : स ग<sub>2</sub> रि<sub>2</sub> ग<sub>2</sub> म<sub>1</sub> प द<sub>2</sub> प स<sup>\*</sup>

अवरोहणम् : स<sup>\*</sup> नि�<sub>2</sub> द<sub>2</sub> प म<sub>1</sub> ग<sub>2</sub> म<sub>1</sub> रि<sub>2</sub> नि<sub>2</sub> स

तालम् : एक

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

॥ नि द नि स * स ॥	स , स स * स ॥	ग * रि * स नि ॥	नि द प म ॥
॥ क म ल सु ॥	ले च न ॥	वि म ल त ॥	टा कि नी ॥
॥ प प , द ॥	नि द प म ॥	म प म प ॥	ग रि स , ॥
॥ म रा ल ॥	गा मि नी ॥	क रि ह र ॥	म ध्ये ॥
॥ स , नि , ॥	स ग ग म ॥	ग म प म ॥	ग , रि नि ॥
॥ वि म बा ॥	द रे या ॥	न न वि दु ॥	मण ड ल ॥
॥ स , स , ॥			
॥ रे रे ॥			
॥ प , म ग ॥	म , ग रि ॥	ग , रि नि ॥	स , स , ॥
॥ च न् द न ॥	कु ङ्कु म ॥	प ङ्कज ॥	रे रे ॥
॥ प प म ग ॥	म म ग रि ॥	ग ग रि नि ॥	स , स , ॥
॥ प रि म ल ॥	क स् तू रि ॥	ति ल क द ॥	रे रे ॥
॥ स ग रि ग ॥	म ग म , ॥	म नि द नि ॥	प द नि स * ॥
॥ जा जि ॥	शै या ॥	क च कु च ॥	घ न ज ग ॥
॥ ग * रि * स नि ॥	नि द प म ॥	प प , द ॥	नि द प म ॥
॥ ना द म् ॥	बो रु ह ॥	म रा ल ॥	गा मि नी ॥
॥ म प म प ॥	ग रि स , ॥	स , नि , ॥	स ग ग म ॥
॥ क रि ह र ॥	म ध्ये ॥	वि म बा ॥	द रे या ॥
॥ ग म प म ॥	ग , रि नि ॥	स , स , ॥	
॥ न न वि दु ॥	मण ड ल ॥	रे रे ॥	

## स्वर जतयः

**बिलहरि**

**रागम्:** बिलहरि

**आरोहणम्:** स रि<sub>२</sub> ग<sub>३</sub> प द<sub>२</sub> प स<sup>\*</sup>

**अवरोहणम्:** स<sup>\*</sup> नि<sub>३</sub> द<sub>२</sub> प म<sub>१</sub> ग<sub>३</sub> रि<sub>२</sub> स

**तालम्:** आदि

**रचयिता :**

**॥ पल्लवि ॥**

॥ स , , रि ग , प , | द , स<sup>\*</sup> , | नि , द , ||  
॥ प , द प म ग रि स | रि स नि<sub>३</sub> द<sub>२</sub> | स , , , ||

**॥ अनुपल्लवि ॥**

॥ स , , रि ग , प , | म , ग , | प , द , ||  
॥ रि<sup>\*</sup> , , स<sup>\*</sup> नि , , द | प , , म | ग , , रि ||

**॥ चरणानि ॥**

**१.**

॥ ग प द रि<sup>\*</sup> स<sup>\*</sup> स<sup>\*</sup> स , | ग<sup>\*</sup> ग<sup>\*</sup> ग , | रि रि<sup>\*</sup> रि<sup>\*</sup> , ||  
॥ प प प , म ग ग , | रि स स , | रि स नि<sub>३</sub> द<sub>२</sub> ||

**२.**

॥ स , , रि ग , ग , | ग , , , | ग , रि ग ||  
॥ प , , प प , प , | प , , , | प , द प ||  
॥ स<sup>\*</sup> , , स<sup>\*</sup> स<sup>\*</sup> , स , | ग<sup>\*</sup> रि<sup>\*</sup> स नि | नि द प , ||  
॥ प द<sub>२</sub> प म ग ग रि , | ग प म ग | रि स रि ग ||

**३.**

॥ प प प , रि रि रि , | ग प म ग | ग , , , ||  
॥ ग प म ग म ग रि स | रि स रि ग | स , , , ||  
॥ रि स नि<sub>३</sub> द<sub>२</sub> स , , , | म ग रि ग | प , , , ||  
॥ द प द रि<sup>\*</sup> स , , , | रि<sup>\*</sup> स नि द | प म ग रि ||

**४.**

॥ प , , , म ग रि ग | द , , , | म ग रि ग ||

॥ प , , प म ग रि ग । प , प , | प \*रि , स \*नि द ॥  
 ॥ \*ग , , \*रि \*स \*नि द । \*रि , , | \*रि , स \*नि द ॥  
 ॥ \*स , , \*रि \*स \*नि द । \*स , , | \*स , , ॥  
 ॥ \*ग , , \*रि स रि , , | \*रि , , | \*रि , स \*नि ॥  
 ॥ द , , द , , | द , , | प म | ग , , ॥  
 ॥ ग , , स रि ग द । प , , | \*रि स \*रि ग ॥  
 ॥ \*स , , ग \*रि स \*नि । द प म ग | रि स रि ग ॥

५.

॥ द , , प द प म | ग रि ग , , | ग , , ॥  
 ॥ प द प म ग रि ग , , | ग , , | प द प म ॥  
 ॥ ग ग रि ग स , स स | स , स , | स , , ॥  
 ॥ स रि ग , रि ग प , | द प द , | म ग रि ग ॥  
 ॥ द , प म ग रि स , | स , , | \*रि , स \*नि ॥  
 ॥ द प द , द , , | ग , \*रि स \*नि द रि , ॥  
 ॥ \*रि , , स , \*रि \*ग | स \*रि स \*नि । द , , ॥  
 ॥ प , द नि प द प म | ग , ग द | प म ग रि ॥

---

**खमास्**

रागम् : खमास्

आरोहणम् : स म<sub>१</sub> ग<sub>३</sub> म<sub>१</sub> प द<sub>२</sub> नि<sub>२</sub> स<sup>\*</sup>

अवरोहणम् : स<sup>\*</sup> नि<sub>२</sub> द<sub>२</sub> प म<sub>१</sub> ग<sub>३</sub> रि<sub>२</sub> स

स प म स

तालम् : आदि

रचयिता :

कृतयः

ओङ्कार स्त्रियो

रागम्: लवज्जी

आरोहणम्: स रि॒ म॑ द॒ स॑ \*॒

अवरोहणम्: स॑ द॑ म॑ रि॒ स॑

तालम्: आदि

रचयिता : श्री वाल्मुरलीकृष्णः

॥ पल्लवि ॥

॥ स, " " स, " " स, " | " स, " रि॒ | स, " म, द॒ ॥  
॥ ओ का र का रि॒ | णि॒ म द॒ ॥

## रागसूचि

लवज्ञी  
ओङ्कार रूपिणि, ३२  
कामोजि  
मन्दर धारे, २६

आनन्द भैरवी  
कमल सुलोचन, २८  
कल्याणी

कमलजा दल, २७

खमास्  
खमास् स्वरजति, ३१

बिलहरि  
बिलहरि स्वरजति, २९

बेगड  
जय जय जय, २५

मलहरि  
कुन्द गौर, २१  
केरेय नीरनु, २२  
पदुमनाभ, २३  
श्री गणनाथ, २०

मोहनम्  
वरवीणा, २४

## रचयिता सूचि

\*

जय जय जय, २५

श्री अप्पैय दीक्षितर्

वरवीणा, २४

श्री पुरन्दर दास

कमल सुलोचन, २८

कमलजा दल, २७

कुन्द गौर, २१

केरेय नीरनु, २२

पदुमनाथ, २३

श्री गणनाथ, २०

श्री पैदल गुरुमूर्ति शास्त्री

मन्दर धारे, २६

श्री बालमुरलीकृष्णः

ओङ्कर रूपिणि, ३२